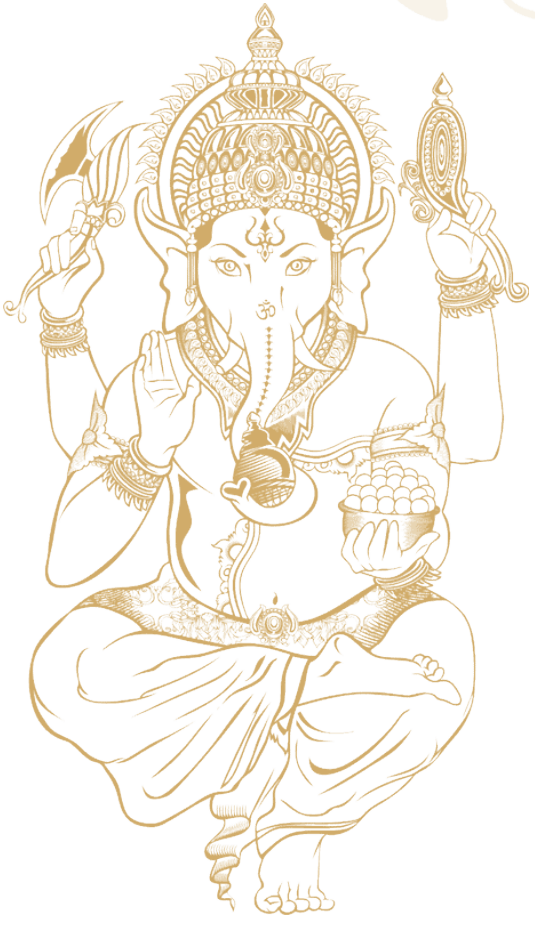

Sahil singh

26 Feb 2018

11:00 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2018**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	39:53:56 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:29:28 घंटे
वेलान्तर	-00:12:55 घंटे
साम्पातिक काल	08:55:31 घंटे
सूर्योदय	07:02:25 घंटे
सूर्यास्त	18:24:57 घंटे
दिनमान	11:22:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:57:23 कुम्भ
लग्न के अंश	12:59:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:59:10	301:02:49	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	13:57:23	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	29:04:35	14:35:43	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	24:47:49	00:35:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	21:51:11	01:53:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	28:56:40	00:01:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:35:56	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			धनु	13:02:17	00:04:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
राहु			कर्क	20:44:24	00:01:14	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:44:24	00:01:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	01:42:48	00:02:33	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	19:36:13	00:02:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	26:27:23	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			कर्क	17:18:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:27

लग्न-चलित

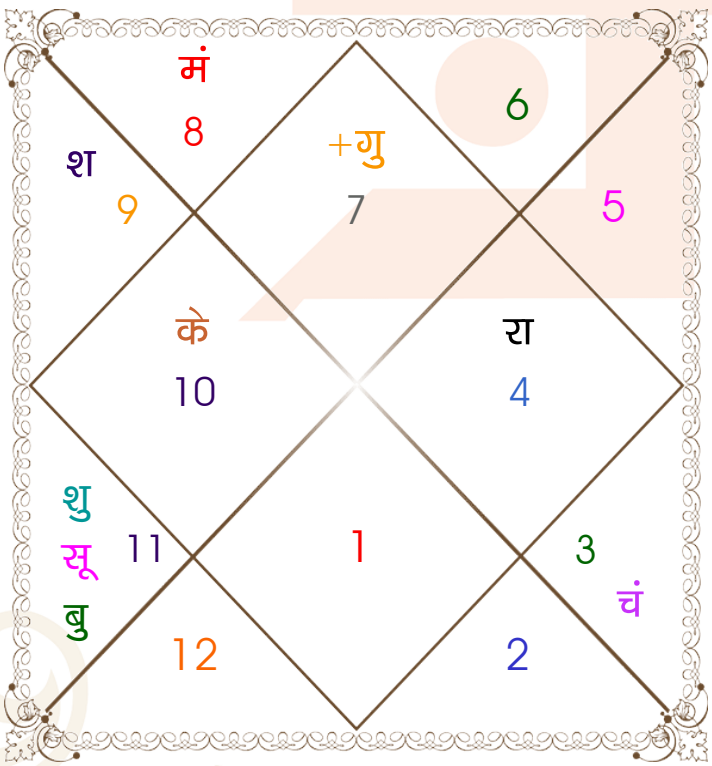

चन्द्र कुंडली

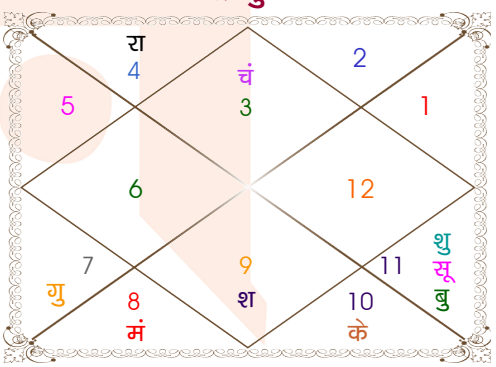

नवमांश कुंडली

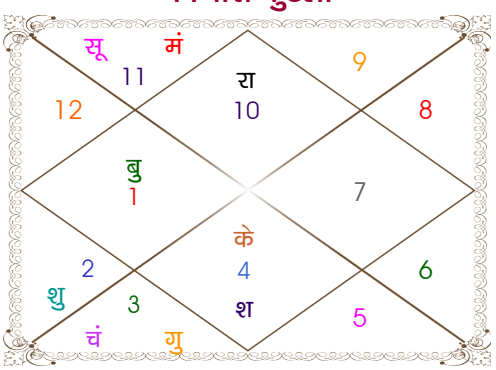

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 1 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/02/2018		07/04/2023		07/04/2042		07/04/2059		07/04/2066	
07/04/2023		07/04/2042		07/04/2059		07/04/2066		07/04/2086	
	00/00/0000	शनि	10/04/2026	बुध	03/09/2044	केतु	03/09/2059	शुक्र	07/08/2069
	00/00/0000	बुध	18/12/2028	केतु	31/08/2045	शुक्र	03/11/2060	सूर्य	07/08/2070
	00/00/0000	केतु	27/01/2030	शुक्र	01/07/2048	सूर्य	10/03/2061	चंद्र	07/04/2072
	00/00/0000	शुक्र	29/03/2033	सूर्य	07/05/2049	चंद्र	09/10/2061	मंगल	07/06/2073
	26/02/2018	सूर्य	11/03/2034	चंद्र	07/10/2050	मंगल	08/03/2062	राहु	06/06/2076
सूर्य	07/08/2018	चंद्र	10/10/2035	मंगल	04/10/2051	राहु	26/03/2063	गुरु	05/02/2079
चंद्र	07/12/2019	मंगल	18/11/2036	राहु	22/04/2054	गुरु	01/03/2064	शनि	07/04/2082
मंगल	12/11/2020	राहु	25/09/2039	गुरु	28/07/2056	शनि	10/04/2065	बुध	05/02/2085
राहु	07/04/2023	गुरु	07/04/2042	शनि	07/04/2059	बुध	07/04/2066	केतु	07/04/2086

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/04/2086		07/04/2092		08/04/2102		08/04/2109		08/04/2127	
07/04/2092		08/04/2102		08/04/2109		08/04/2127		00/00/0000	
सूर्य	26/07/2086	चंद्र	05/02/2093	मंगल	04/09/2102	राहु	20/12/2111	गुरु	26/05/2129
चंद्र	24/01/2087	मंगल	06/09/2093	राहु	23/09/2103	गुरु	15/05/2114	शनि	08/12/2131
मंगल	01/06/2087	राहु	08/03/2095	गुरु	29/08/2104	शनि	21/03/2117	बुध	15/03/2134
राहु	25/04/2088	गुरु	07/07/2096	शनि	07/10/2105	बुध	08/10/2119	केतु	19/02/2135
गुरु	11/02/2089	शनि	05/02/2098	बुध	05/10/2106	केतु	25/10/2120	शुक्र	20/10/2137
शनि	24/01/2090	बुध	08/07/2099	केतु	03/03/2107	शुक्र	26/10/2123	सूर्य	27/02/2138
बुध	30/11/2090	केतु	06/02/2100	शुक्र	02/05/2108	सूर्य	19/09/2124		00/00/0000
केतु	07/04/2091	शुक्र	07/10/2101	सूर्य	07/09/2108	चंद्र	21/03/2126		00/00/0000
शुक्र	07/04/2092	सूर्य	08/04/2102	चंद्र	08/04/2109	मंगल	08/04/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।